Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
July | 2025

Back to School: A Joyful Reunion

Welcoming Children

After a joyful summer break, students at Khwabgah were welcomed back with vibrant energy and cheerful smiles. Teachers organised fun filled activities that sparked laughter, creativity and connection- setting the tone for an exciting new term. It was a heart-warming start to school, celebrating the spirit of learning and togetherness.

Showcasing Holiday Homework

Students proudly shared their holiday homework, each page brimming with effort, creativity and personal exploration. From colourful charts to thoughtful reflections, their work showcased how learning continued beyond the classroom. Whether through observing nature or experimenting with ideas, their holiday homework was a celebration of curiosity, growth and learning by doing.

Young Leaders Take Charge

At MCF, children are recognized as equal stakeholders in their own development. Dedicated volunteers from Classes 4 and 5 were thoughtfully selected to assist with school discipline and cleanliness. Those showing outstanding commitment were chosen and formally recognized with special badges, fostering a sense of pride and ownership in shaping their school environment.

Holiday Homework through the Eyes of Our Students

"While making a wall clock, we learnt how to see time and learnt about roman numerals"

"My sister and mother helped in doing holiday homework"

"I found SST homework the most interesting, the homework comprised of finding oneself on earth"

"I found the holiday homework interesting as it did not involve much writing but creating things such as a clock, charts etc."

"I used a cardboard, marker, colors – materials easily available at home - to make a clock"

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
July | 2025

Enhancing Our Digital Outreach: A Step Towards Better Engagement

In our continued efforts to connect more meaningfully with our audiences, the AOC team embarked on an exciting initiative to enhance our digital outreach. This focused exercise was much more than just a content review. Each team member brought a unique perspective to the table by identifying benchmarks and best practices seen across the digital landscape. To deepen this introspective process, we also invited an external expert to review our approach. Their valuable input provided fresh ideas and highlighted areas where our content could become more dynamic, inclusive, and inspiring.

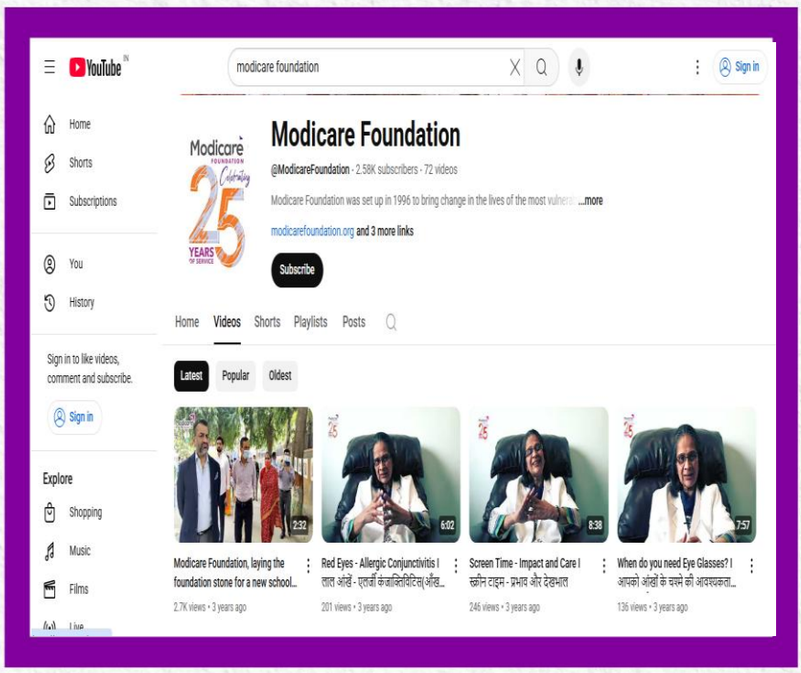

Echoes from the field

We are grateful to Modicare Foundation for providing a five-day Training of Trainers (TOT) program, last year. The training equipped our teachers with valuable new skills, particularly in effective communication and emotional management, which they lacked previously. After the training, teachers successfully applied these techniques with students, fellow teachers, management, and the wider community. We have observed significant improvement in teachers' ability to communicate, empathise, and handle students and community members effectively. Teachers are now less harsh and more understanding towards students' challenges and needs. The training has also improved relationships between teachers and parents, and even strengthened teachers' ability to communicate with management. We kindly request Modicare Foundation to consider organizing a refresher training for continued professional development.

-Dr. Malviya, Board Member, Turning Point

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
July | 2025

स्कूल वापसी: खुशियों भरा मिलन

बच्चों का स्वागत

खुशनुमा गर्मी की छुट्टियों के बाद, ख़्वाबगाह के बच्चों का स्कूल में जोश और मुस्कान के साथ स्वागत किया गया। शिक्षकों ने मज़ेदार गतिविधियाँ आयोजित कीं, जिनसे रचनात्मकता और आपसी जुड़ाव बढ़ा। यह नए सत्र की शानदार शुरुआत थी, जिसमें सीखने और साथ रहने की भावना का जश्न मनाया गया।

छुट्टियों का होमवर्क

बच्चों ने गर्व से अपना छुट्टियों का होमवर्क दिखाया। हर पन्ना मेहनत, रचनात्मक सोच और अपने अनुभवों से भरा था। रंग-बिरंगे चार्ट से लेकर सोच-समझ भरे विचारों तक, यह साबित करता कि सीखना केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। चाहे प्रकृति को देखकर हो या नए विचारों पर प्रयोग करके – उनका काम जिज्ञासा, विकास और करके सीखने का एक सुंदर उदाहरण था।

नन्हे नेता आगे आए

एमसीएफ में बच्चों को उनके विकास में बराबरी का भागीदार माना जाता है। कक्षा 4 और 5 के बच्चों को स्कूल में अनुशासन और सफाई में मदद करने के लिए चुना गया। जिन्होंने बेहतरीन प्रतिबद्धता दिखाई, उन्हें विशेष बैज देकर सम्मानित किया गया। इससे उनके अंदर गर्व और अपने स्कूल को बेहतर बनाने की ज़िम्मेदारी की भावना पैदा हुई।

छात्रों की नज़र से छुट्टियों का होमवर्क

"घड़ी बनाते समय हमने समय देखना और रोमन अंकों के बारे में सीखा।"

"मैंने घर पर आसानी से मिलने वाली चीज़ें जैसे गत्ता, मार्कर, रंग इस्तेमाल करके घड़ी बनाई।"

"मेरी बहन और माँ ने मेरा होमवर्क करने में मदद की।"

"मुझे छुट्टियों का होमवर्क अच्छा लगा क्योंकि इसमें ज्यादा लिखना नहीं था, बल्कि घड़ी, चार्ट जैसी चीज़ें बनानी थीं।"

"मुझे सामाजिक विज्ञान का होमवर्क सबसे अच्छा लगा, जिसमें धरती पर खुद को ढूंढना था।"

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
July | 2025

डिजिटल पहुँच को बढ़ाना: बेहतर जुड़ाव की ओर एक कदम

अपने दर्शकों से और अच्छे तरीके से जुड़ने के लिए, एओसी टीम ने डिजिटल पहुँच बढ़ाने की पहल की। यह पहल सिर्फ डिजिटल कंटेंट की समीक्षा नहीं थी, बल्कि टीम के हर सदस्य ने गहरे विश्लेषण के बाद नए विचार और बेहतरीन उदाहरण भी साझा किए।

इसके अलावा, हमने एक बाहरी विशेषज्ञ को भी बुलाया, जिन्होंने हमारे तरीके पर नए और उपयोगी सुझाव दिए, जिससे हमारा डिजिटल कंटेंट और जीवंत, समावेशी और प्रेरणादायक बन सके।

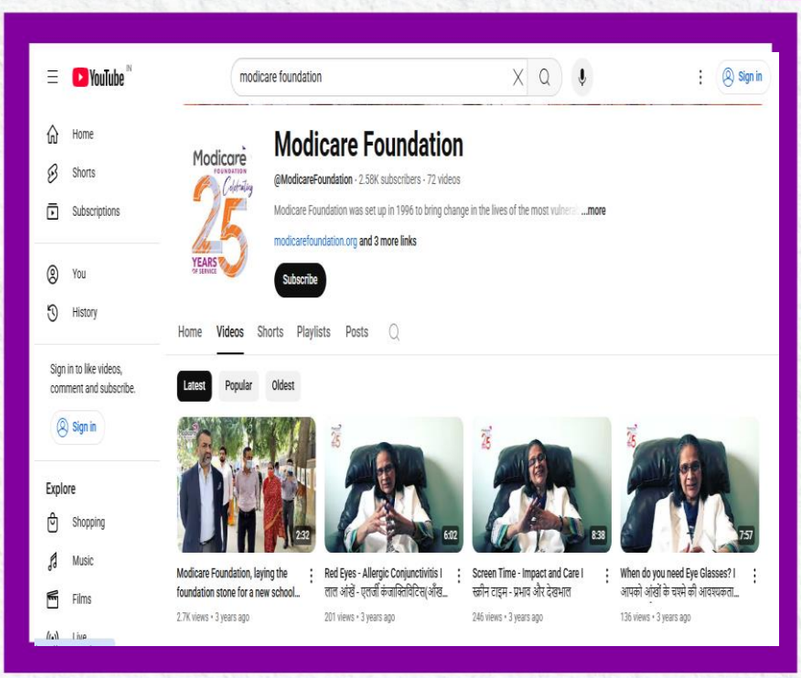

आवाम की आवाज़

हम मोदीकेयर फ़ाउंडेशन के आभारी हैं, जिन्होंने पिछले साल 5-दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ़ ट्रेनर्स (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण से हमारे शिक्षकों को नई और ज़रूरी कौशल मिले, खासकर प्रभावी संवाद और भावनाओं को संभालने की कला, जिसकी पहले कमी थी।

ट्रेनिंग के बाद, शिक्षकों ने इन तकनीकों का उपयोग छात्रों, सहकर्मी शिक्षकों, प्रबंधन और समुदाय के साथ किया। हमने देखा कि अब शिक्षक संवाद, समझदारी और सहानुभूति में पहले से बेहतर हो गए हैं। वे अब छात्रों की परेशानियों और ज़रूरतों के प्रति कम कठोर और अधिक समझदार हैं।

इससे शिक्षकों और अभिभावकों के रिश्ते भी बेहतर हुए हैं, और प्रबंधन से संवाद की क्षमता भी बढ़ी है। हम मोडिकेयर फ़ाउंडेशन से निवेदन करते हैं कि वे आगे भी इस तरह का रिफ़्रेशर प्रशिक्षण जारी रखें।

— डॉ. मालवीया, बोर्ड सदस्य, टर्निंग प्वाइंट